

प्रेषक,

एल०एम० पन्त,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत, उत्तराखण्ड,
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून :: दिनांक: ०६ नवम्बर, 2007

विषय:- द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु नगर पंचायतों को धनराशि का संक्रमण (तृतीय त्रैमास किस्त हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 27 नगर पंचायतों को संलग्न विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 की तृतीय त्रैमासिक किस्त हेतु ₹ 38129000.00 (₹ 38.12 करोड़ इक्कासी लाख उनतीस हजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:- (1) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये वित्त सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं०-1674/XXVII/(1)/2006 दिनांक 22 नवम्बर, 2006 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का ध्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(2) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(3) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।



3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक (लेखानुदान) की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन- आयोजनेतर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायतें/नोटीफाइड एरिया/ कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करें से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,
(एल०एम० पन्त)
अपर सचिव

संख्या:- 970 (1)/XXVII(1)/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मण्डलायुक्त, भदवाल/कुमायूँ, उत्तराखण्ड।
- 4- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
- 7- समस्त मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 10- एन० आई०सी०, सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,
(एल०एम० पन्त)
अपर सचिव

शासनादेश संख्या: १७० / XXVII (i) / 2007,

दिनांक: ०८ नवम्बर, 2007 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु नगर पंचायतों को तृतीय त्रैमास के लिए संकमित धनराशि।

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र०सं०	निकाय का नाम	संकमित धनराशि
1	2	3
1	बडकोट	3297
2	नन्दप्रयाग	469
3	कर्णप्रयाग	3051
4	गोधर	2582
5	मुनिकीरेती	1670
6	कीर्तिनगर	469
7	चम्बा	1080
8	डोईवाला	954
9	हरबर्टपुर	2280
10	कालाढूंगी	659
11	भीमताल	961
12	लालकुआ	1248
13	दिनेशपुर	1950
14	सुल्तानपुर	842
15	केलाखेडा	1368
16	शक्तिगढ	1017
17	महुआ खेडा गंज	753
18	महुआवाबरा	989
19	द्वारहाट	1634
20	डीडीहाट	940
21	धारबूला	2694
22	चम्पावत	937
23	लोहाघाट	1115
24	अबरेडा	733
25	लण्डोरा	1252
26	लक्सर	2308
27	देवप्रयाग	877
	योग	38129

(तीन करोड़ इक्यासी लाख उनतीस हजार मात्र)

(एल०एम० पन्त) 6/11/2007

अपर सचिव, वित्त।